बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 23/09/2020

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र – मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (दोसर भाग)

प्रश्न :- आरसी प्रसाद सिंहक काव्यक परिचय दिअ।

उत्तर :- ..... कविता 'शेफालिका' 1937 ई० मे लिखल गेल। छनिक सरस लयमे प्रकृतिक उल्लेख कतेक प्रभावोत्पादक अछि –

मेघ लगौ छै कुन्न झरै छै नचइत मन मोर रे।
छै कोन प्रिया केर कजरायल दृग, आइ भर नोर रे॥

मातृभूमिक प्रति अनुराग ई स्वदेश शीर्षक कवितामे अत्यन्त स्वाभाविक ढंगसँ कयने छथि –

झाड़ी-झाड़ी लतड़ल पान, पोखरि-पोखरि फूरल मखान।
राह बाटमे गुंजित होइछ बिद्यापतिक मनोहर गान॥

अपन मातृभाषा ओ मातृभूमिक अधिकारकेँ ओ एहि रूपेँ मँगैत छथि –

माँगि रहल छी प्रथम आइ हम मातृजन वाणी!
माँगि रहल छी हम विदेह भू भाषा चिर कल्याणी॥

सामन्तवादक भावनाक उद्घोष करैत वर्तमान युगक युवक लोकनिकेँ प्रेरित करए सचेष्ट करैत छथि –

चलि ने सकै आदि आब सवारि हौदा कालिके।
ई अदराक मेघ नहि मानत रहत बरसिके॥

23/09/2020